DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

आत्मकथा, रिपोर्ताज, डायरी, रेखाचित्र, संस्मरण,

जीवनी, यात्र वृतांत, एंकाकी

Part -4

LIVE 20-07-2024 09:00 AM

लेखक	यात्रा वृतांत	प्रकाशन वर्ष
सच्चिदानन्द हीरानन्द	अरे यायावर रहेगा याद	1953
वात्स्यायन अज्ञेय	एक बूँद सहसा उछली बहता निर्मल पानी	1960
रामधारी सिंह दिनकर	देश-विदेश	1957
	मेरी यात्राएँ	1970
मोहन राकेश	आखिरी चट्टान तक	1953
प्रभाकर माचवे	गोरी नजरों में हम	1964
डॉ. रघुवंश	हरीघाटी	1963

धर्मवीर भारती	यादें यूरोप की	-
	यात्रा चक्र	1995
	ठेले पर हिमालय	-
निर्मल वर्मा	चीड़ों पर चाँदनी	1964
	हँसती घाटी दहकते निर्जन	-
	धुन्ध से उठती धुन	-
बलराज साहनी	रूसी सफरनामा	1971
डॉ. नगेन्द्र	अप्रवासी की यात्राएँ	1972
	तन्त्रालोक से यन्त्रालोक तक	1968
शंकर दयाल सिंह	गाँधी के देश से लेनिन के देश में	1973
श्रीकान्त वर्मा	अपोलो का रथ	1975

कमलेश्वर	खण्डित यात्राएँ	1975
	कश्मीर रात के बाद	1997
	आँखों देखा पाकिस्तान	2006
गोविन्द मिश्र	धुन्ध भरी सुर्खी	1979
	दरख्तों के पार शाम	1980
	झूलती जड़ें	1990
	परतों के बीच	1997
	और यात्राएँ	2005
कन्हैयालाल नन्दन	धरती लाल गुलाबी चेहरे	1982

विष्णु प्रभाकर	ज्योतिपुंज हिमालय	1982
	हमसफर मिलते रहे	1996
	हँसते निर्झर : दहकती भट्ठी	1966
रामदरश मिश्र	तना हुआ इन्द्रधनुष	1990
	भोर का सपना	1993
	पड़ोस की खुशबू	1999
शिव प्रसाद सिंह	साब्जापत्र कथा कहे	1996
हिमांशु जोशी	यातना शिविर में	1998

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	आत्मा की धरती	1999
	अन्तहीन आकाश	2005
	एक नाव के यात्री	-
मनोहर श्याम जोशी	क्या हाल है चीन के	2006
	पश्चिमी जर्मनी पर उड़ती नजर	2006
रमेशचन्द्र शाह	एक लम्बी छाँह	2000
अजित कुमार	सफरी झोले में	1985
	यहाँ से कहीं भी	1997
इन्दु जैन	पत्रों की तरह चुप	1987
कृष्णदत्त पालीवाल	जापान में कुछ दिन	2003

नरेश मेहता	कितना अकेला आकाश	2003
नासिरा शर्मा	जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं	2003
श्रीमती विमला कपूर	अनजाने देश में	1955
प्रभाकर द्विवेदी	यापार उतरि कह जइहीं	1958
भुवनेश्वर 'भुवन' प्रसाद	आँखों देखा यूरोप	1958
कन्हैयालाल माणिकलाल 'मुंशी'	बद्रीनाथ की ओर	1959
गोपाल प्रसाद व्यास	अरबों के देश में	1960
ब्रजकिशोर नारायण	नन्दन से लन्दन	1957
लक्ष्मीदेव चूड़ावत	हिन्दुकश के उस पार	1966

दुर्गादेवी सिंह	सीधी सादी यादें	1976
रामेश्वर टांटिया	विश्वयात्रा के संस्मरण	
अनन्त गोपाल शेवड़े	दुनिया रंग रंगीली	1978
शिवानी	यात्रिक	1980
कन्हैयालाल नन्दन	धरतीलाल गुलाबी चेहरे	1982
कृष्णनाथ	स्फीतियों में बारिश	1982
	किन्नर धर्मलोक	1983
	लद्दाख में राग विराग	1983
अमृतलाल बेगड़	सौन्दर्य नर्मदा की	1992
कर्ण सिंह चौहान	अमृतस्य नर्मदा	2000

सतीश आलोक	यूरोप में अन्तर्यात्राएँ	1996
	लिबर्टी के देश में	1997
वल्लभ डोभाल	आधी रात का सफर	1998
निर्मला जैन	दिल्ली: शहर-दर-शहर तो अक्ष था।	
असगर वजाहत	चलते तो अच्छा था रास्ते की तलाश में	2012
ज्ञानरंजन	कबाड़खाना	-
पंकज विष्ट	खरामा बरामा	2012

डायरी

डायरी लेखन मनुष्य के व्यक्तिगत अनुभवों का लेखन है। इसमें लिखा गया शब्द व्यक्ति की अपनी सोच अनुभव और भावनाएँ होती हैं। डायरी गद्य साहित्य की एक प्रमुख विधा है इसमें लेखक आत्म साक्षात्कार करता है। समीक्षकों ने डायरी को साहित्य की कोटि में रखा, क्योंकि वह किसी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के व्यक्तिगत भावों उनके व्यक्तित्व का दस्तावेज होती है या मानव समाज के विभिन्न पक्षों का सूक्ष्म और जीवन्त चित्र उपस्थित करती है।

हिन्दी साहित्य में डायरी लेखन की शुरुआत श्रीराम शर्मा की सेवाग्राम की डायरी से माना जाता है, जो वर्ष 1946 में प्रकाशित हुई थी।

लेखक	डायरी	प्रकाश वर्ष
घनश्याम दास बिड़ला	डायरी के पन्ने	1940
सुन्दरलाल त्रिपाठी	दैनन्दिनी	1945
श्री राम शर्मा	सेवाग्राम की डायरी	1946
सियाराम शरण गुप्त	दैनिकी	1947
धीरेन्द्र वर्मा	मेरी कालिज डायरी	1954
उपेन्द्रनाथ अश्क	ज्यादा अपनी कम परायी	1959
अज्ञेय	बर्लिन की डायरी	1960
प्रभाकर माचवे	पश्चिम में बैठकर पूर्व की डायरी	1964
मुक्तिबोध	एक साहित्यिक की डायरी	1963
हरिवंशराय बच्चन	प्रवासी की डायरी	1971
रामधारी सिंह 'दिनकर'	दिनकर की डायरी	1973

रघुवीर सहाय	दिल्ली मेरा परदेश	1976
राजेन्द्र अवस्थी	सैलानी की डायरी	1976
अजित कुमार	अंकित होने दो	-
मोहन राकेश	मोहन राकेश की डायरी	1985
रवीन्द्र कालिया	स्मृतियों की जन्मपत्री	1979
जमनालाल बजाज	जमनालाल बजाज की डायरी	1966
शान्ता कुमार	एक मुख्यमन्त्री की डायरी	1977
जय प्रकाश	मेरी जेल डायरी	1977
सीताराम केसरिया	एक कार्यकर्ता की डायरी	1972
श्री रामेश्वर टांटिया	क्या खोजा क्या पाया	1981
कमलेश्वर	देश देशान्तर	1992
मलयजल	मलयजल की डायरी	2000

बिशन टण्डन	आपातकाल की डायरी	2002
डॉ. नरेन्द्र मोहन	साथ साथ मेरा साया	2004
तेजिन्दर	डायरी सागा पागा	2004
कृष्ण बलदेव वैद्य	ख्वाब है दीवाने का	2005
डॉ. विवेकी राय	मनबोध मास्टर की डायरी	2006
रामदरश मिश्र	- आते जाते दिन	2008
रमेशचन्द्र शाह	अकेला मेला	2009
रामविलास शर्मा	पंचरत्न	1980
फणीश्वर नाथ 'रेणु'	वनतुलसी की गन्ध	1984
जाबिर हुसैन	जिन्दा होने का सबूत	2013
	ये शहर लगै मोहे बन	2015
द्रोणवीर कोहली	मनाली में गंगा उर्फ रोजनामचा	2016

चन्द्रकला	इस उस मोड़ पर	2016
जयप्रकाश मानस	पढ़ते-पढ़ते लिखते-लिखते	2017
जितेन्द्र कुमार सोनी	यादावरी	2017
कुमार अंबुज	बलचर कुछ इन्दराज कुछ टिप्पणियाँ	2017
गरिमा श्रीवास्तव	देह ही मेरा देश	2018
पुष्पिता अवस्थी	नीदरलैण्ड	2018

एकांकी

आधुनिक साहित्य में एकांकी का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं। इसमें एक ही अंक या विधान किया जाता है। यह अंग्रेजी के **One Act Play** का पर्यायवाची है। इसमें नाटक के ही तत्वों को स्वीकारा गया है। फिर भी यह नाटक से भिन्न हैं। इसमें एक ही अंक, एक ही घटना, मूल भाव, एक ही दृश्य आदि रहता हैं।

डॉ. गोविन्ददास के अनुसार - "इसमें जीवन से सम्बन्धित किसी एक ही मूल भाव या विचार की एकान्त अभिव्यक्ति होती है।"

डॉ. रामकुमार वर्मा के अनुसार- "एकांकी में एक ऐसी घटना रहती है, जिसका जिज्ञासा पूर्ण और कौतूहलमय नाटकीय शैली में चरम विकास होकर अन्त होता है।"

एकांकी एवं नाटक में अन्तर :

- ❖ **एकांकी में एक ही अंक या विधान होता है जबकि नाटक में एक से अधिक हो सकते हैं।**
- ❖ **एकांकी में क्षिप्रता और संक्षिप्तता आवश्यक है परन्तु नाटक में नहीं।**
- ❖ **एकांकी में भाव, प्रभाव, तीव्रता, गत्यात्मकता, संकलन त्रय की योजना अनिवार्य हैं जबकि नाटक में कई मोड़ हो सकते हैं।**
- ❖ **डॉ. रामचरण महेन्द्र के अनुसार एकांकी न तो बड़े नाटक का संक्षिप्त रूप है, न कहनी, संभाषण। अतः नाटक प्रबन्ध काव्य या महाकाव्य के समान विस्तृत है जबकि एकांकी मुक्तक के समान है।**

- अधिक विस्तार के लिए एकांकी में कोई स्थान नहीं हैं। पात्रों का चरित्र चित्रण भी यहाँ एकांकी और एक-पक्षीय होता है। इसके विपरीत नाटक में इन सबका क्रमशः विकास दिखाने के लिए पर्याप्त स्थान और समय रहता है। जयशंकर प्रसाद कृत 'एक घूँट' को आधुनिक ढंग का प्रथम एकांकी स्वीकार किया जाता है।
- डॉ. सत्येन्द्र 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को प्रथम एकांकीकार मानते हैं।
- रामनाथ सुमन 'रामकुमार वर्मा' को प्रथम एकांकीकार मानते हैं।
- डॉ. नगेन्द्र, सोमनाथ गुप्त एवं अज्ञेय, ने जयशंकर प्रसाद' को प्रथम एकांकीकार मानते हैं।.

- **डॉ. रामकुमार वर्मा ने हिन्दी में सर्वप्रथम पश्चिमी नाट्य-विधान को ध्यान में रखकर 'बादल की मृत्यु' (1930) एकांकी की रचना की।**
- **जयशंकर प्रसाद के 'एक छूट' एकांकी से सोमनाथ गुप्त और अज्ञेय ने एकांकी नाटकों का प्रारम्भ माना हैं।**
- **श्री रामनाथ सुमन ने चारुमित्ता (1942) की भूमिका में डॉ. रामकुमार वर्मा को हिन्दी एकांकी का जन्मदाता माना हैं। अधिकांश विद्वान एकांकी का सूत्रपात भुवनेश्वर प्रसाद के कारवाँ से मानते हैं।**

एकांकीकार	एकांकी	वर्ष
डॉ. रामकुमार वर्मा	पृथ्वीराज की आँखें रेशमी टाई चारू मित्रा विभूति सप्तकिरण रूपरंग कौमुदी महोत्सव ध्रुव तारिका ऋतु राज रजत रश्मि दीपदान	1943

	काम कन्दला, बापू, इन्द्रधनुष, रिमझिम बादल की मृत्यु दस मिनट	1930
उपेन्द्र नाथ अश्क	देवताओं की छाया में चरवाहे तूफान से पहले कैद और उड़ान अंधिकार का रक्षक, स्वर्ग की झलक, साहब को जुकाम है जोंक पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ सूखी डाली भँवर लक्ष्मी का स्वागत	

	पापी बतसिया जीवन साथी आँधी गली आँधी कैसा साब कैंसी आया आपस का समझौता	
भुवनेश्वर	कारवाँ श्यामा, एक साम्यहीन साम्यवादी, शैतान, प्रतिभा का विवाह, स्ट्राइक, लॉटरी, ऊसर, पतित, ताँबे के कीड़े, सिकन्दर, आजादी की नींद, रोशनी, आग तथा खामोशी।	1935

उदयशंकर भट्ट	एक ही कब्र में आदिम युग, समस्या का अन्त, आज का आदमी, स्त्री का हृदय, पर्दे के पीछे, दस हजार, दुर्गा, नेता, उन्नीस सौ पैंतीस, वर निर्वाचन, सेठ लाभचन्द, बड़े आदमी की मृत्यु, नए मेहमान, धूम शिखा, मुंशी अनेखे लाल, विष की पुड़िया।	1936
सेठ गोविन्द दास	स्पर्द्धा मानव मन, मैत्री, वह मरा क्यों, हंगर स्ट्राइक, बुद्ध की एक शिष्या, सप्त रश्मि, एकादशी, पंचभूत, चतुस्पथ नानक की नमाज, मानवमन, ईद और होली, सच्चा कांग्रेसी कौन?, बन्द नोट, प्रलय	1935

	और सृष्टि, शाप का वर, प्रायश्चित, निर्माण का आनन्द	
जगदीश चन्द्र माथुर	मेरी बाँसुरी भोर का तारा, कलिंग विजय, रीढ़ की हड्डी, मकड़ी का जाल, खण्डहर, खिड़की राह, घोंसले, कबूतर खाना, भाषण, ओ मेरे सपने, शारदीय, बेदी	1936
लक्ष्मीनारायण मिश्र	अशोक वन, एक दिन, प्रलय के पंख पर, कावेरी में कलम, स्वर्ग के विप्लव, नारी के रंगा	
चतुरसेन शास्त्री	पन्नाधाय, हाड़ा रानी, रूठी रानी, राखी	

विष्णु प्रभाकर	लिपिस्टिक की मुस्कान दृष्टि की खोज, बीमार प्रकाश और परछाई, क्या वह दोषी था, दस बजे रात, ऊँचा पर्वत गहरा सागर, ये रेखाएँ ये दायरे, इंसान	
वृन्दावन लाल वर्मा	लो भाई पंच लो, कनेर, टंटा गुरु, शासन का डण्डा, कश्मीर का काँटा, बाँस की फॉस	
भगवतीचरण वर्मा	मैं और केवल मैं, सबसे बड़ा आदमी, दो कलाकार, महाकाल, चौपाल में द्रोपदी	
गिरिजाकुमार माथुर	कुमारसम्भव, राम की अग्नि परीक्षा, धरादीप, शकुन्तला, मदनोत्सव, पिकनिक, उमर कैद, मेघ की छाया, लाउडस्पीकर	

गणेश प्रसाद द्विवेदी	सोहाग बिन्दी, वह फिर आई थी, पर्दे का अपर पार्श्व, दूसरा उपाय ही क्या है, रिहर्सल	
चन्द्रगुप्त विद्यालंकार	मनुष्य की कीमत, हिन्दुस्तान जाकर कहना, ताँगे वाला, भेड़िये, नवप्रभात	
डॉ. सत्येन्द्र	कुणाल, स्वतन्त्रता का अर्थ, प्रायश्चित बलिदान	
धर्मवीर भारती	नदी प्यासी थी	
जैनेन्द्र कुमार	टकराहट	
सुदर्शन	राजपूत की हार	
हरिकृष्ण प्रेमी	स्वर्ण विधान, सेवा मन्दिर, मातृ मन्दिर, राष्ट्र मन्दिर, मान मन्दिर, न्याय मन्दिर, वाणी मन्दिर आदि।	
गिरिश बख्शी	सुबह कब होगी (2009) कई चौहद्दियों के बीच	

एकांकीकार	एकांकी	पात्र
डॉ. रामकुमार वर्मा	प्रतिशोध	भारवि, श्रीधर, सुशीला, भारती, आभा।
डॉ. रामकुमार वर्मा	उत्सर्ग	डॉ. शेखर, विनय, छाया देवी, मंजुल, सुधीर।
डॉ. रामकुमार वर्मा	समुद्रगुप्त पराक्रमांक	समुद्रगुप्त पराक्रमांक, धवलकीर्ति, मणिभद्र, कोदण्ड, घटोत्कच, वीरबाहु, प्रियदर्शिका, रत्नप्रभा, प्रहरी।
डॉ. रामकुमार वर्मा	औरंगजेब की अखिरी रात	औरंगजेब, जीनत उन्निसा बेगम, करीम, हकीम और कातिब।
डॉ. रामकुमार वर्मा	प्रेम की आँख	मदनमोहन, रेखा, बैजनाथ।
भुवनेश्वर	ताँबे के कीडे	महिला अनाउन्सर, रिक्शेवाला, थका अफसर।

भुवनेश्वर	शैतान	हरदेव सिंह, राजेन्द्र सिंह।
भुवनेश्वर	स्ट्राइक	श्रीचन्द ।
भुवनेश्वर	सिकन्दर	रंगा, सिकन्दर, ईरानी गुलाम, यूनानी दर्शक।
भुवनेश्वर	लाटरी	विनोद, रानी, माया, किशोर, प्रद्युम्मन ।
भुवनेश्वर	रोमांस-रोमांच	अमरनाथ, अमरनाथ की पत्नी, मिस्टर सिंह।
गिरीश बख्शी	सुबह कब होगी	किशोर, सरिता।
गिरीश बख्शी	कई चौहददियों के बीच	सीमा, माँ, मीरा रश्मि, रंजीत।
भगवती चरण वर्मा	दो कलाकार	चूड़ामणि, मार्तण्ड, परमानन्द, रामनाथ, बुलाकीदास

भगवती चरण वर्मा	सबसे बड़ा आदमी	गजाती, चिरौंजी, राधे और शंकर, शर्मा जी, कामरेड अहमद, रामेश्वर प्रसाद।
भगवती चरण वर्मा	चौपाल में	पण्डित सत्यनारायण, डॉ. बच्चू सिंह, मुंशी किस्मतराय, लाल बुद्धूलाला, मौलाना जाहिद हुसेन, जानकी और माधवी, पण्डिताइन।
भगवती चरण वर्मा	बुझता दीपक	राधेश्याम शर्मा, सुषमा, कृष्ण कुमार, निरंजन, सुधा, उदय, कमला, शिवलाल कोटानी, संध्या, मदन मोहन मदन।
सेठ गोविन्ददास	सच्चा धर्म	पुरुषोत्तम, अहिल्या, संभाजी, दिलावर खाँ, रहमन बेग।

सेठ गोविन्ददास	प्रायश्चित	रघुनाथ राव, आनन्दीबाई, सखराम बापू, रामशास्त्री।
सेठ गोविन्ददास	मोहन राकेश	रामभरोसे, श्यामभरोसे, शर्मा, कपूर, मनोरमा, सन्तोष, गुरप्रीत, प्रेमप्रकाश, दीनदयाल, रमेश, मोहन, सत्यपाल।